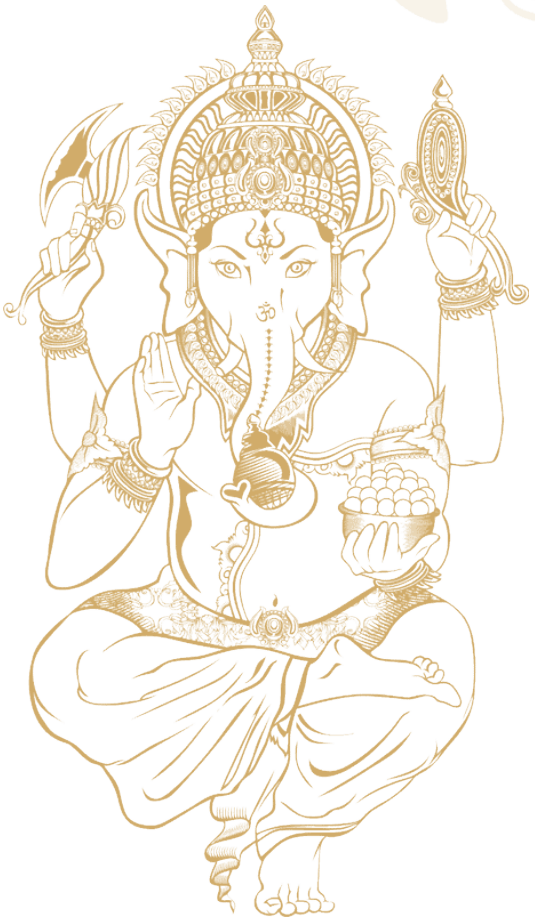

Mr.khitij

Ms.nirali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120631503

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/07/1997	जन्म तिथि	14/03/1997
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 12:02:00	जन्म समय	21:45:00 घंटे
घटी 16:37:01	जन्म समय(घटी)	38:49:00 घटी
India	देश	India
Allahabad	स्थान	Panipat
25:27:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
81:50:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:02:40	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:23:11	सूर्योदय	06:33:36
18:54:21	सूर्यास्त	18:29:35
23:49:21	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:05

विंशोत्तरी
शुक्र 8वर्ष 6मा 19दि

मंगल	
06/02/2022	
06/02/2029	
मंगल	05/07/2022
राहु	24/07/2023
गुरु	28/06/2024
शनि	07/08/2025
बुध	05/08/2026
केतु	01/01/2027
शुक्र	02/03/2028
सूर्य	08/07/2028
चन्द्र	06/02/2029

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
00:23:12	तुला	लग्न	तुला	13:30:55
02:48:33	कर्क	सूर्य	मीन	00:18:34
20:57:53	धनु	चंद्र	वृष	14:39:34
20:59:26	कन्या	मंगल व	कन्या	03:59:09
25:12:32	कर्क	बुध	मीन	03:12:44
25:48:14	मक व	गुरु	मक	17:52:22
01:00:55	सिंह	शुक्र	कुंभ	25:32:16
26:23:00	मीन	शनि	मीन	14:24:21
27:18:34	सिंह व	राहु	कन्या	04:56:01
27:18:34	कुंभ व	केतु	मीन	04:56:01
13:17:32	मक व	हर्ष	मक	13:27:11
04:48:02	मक व	नेप	मक	05:30:52
09:10:30	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	11:46:26

विंशोत्तरी
चन्द्र 6वर्ष 6मा 1दि

राहु	
15/09/2010	
15/09/2028	
राहु	28/05/2013
गुरु	22/10/2015
शनि	28/08/2018
बुध	16/03/2021
केतु	04/04/2022
शुक्र	04/04/2025
सूर्य	26/02/2026
चन्द्र	28/08/2027
मंगल	15/09/2028

लग्न-चलित

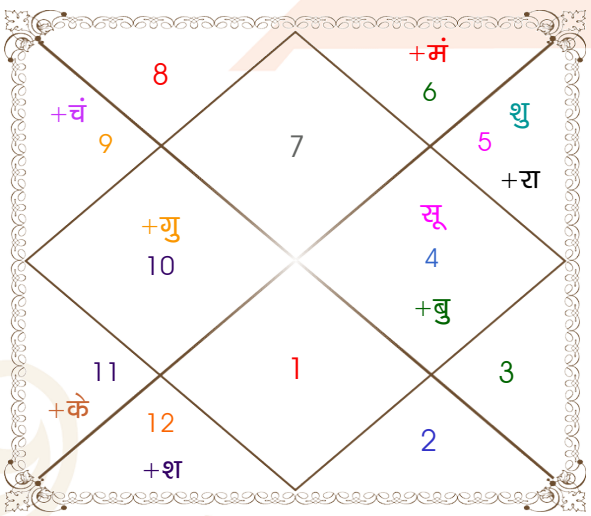

लग्न-चलित

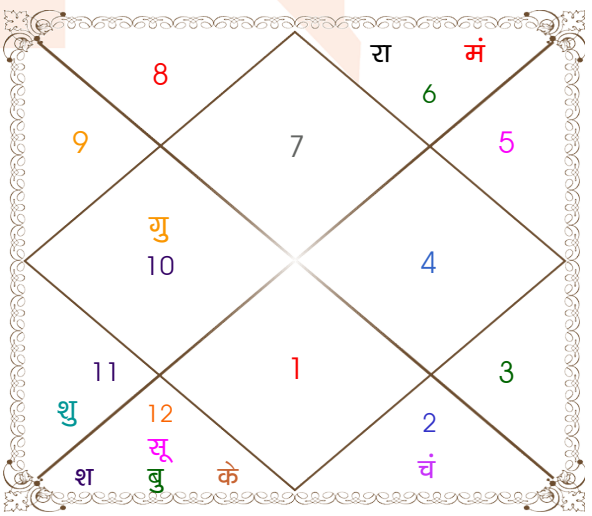

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतणीपजपर का वर्ग मूषक है तथा Ms.nirali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणीपजपर और Ms.nirali का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतणीपजपर मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतणीपजपर कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.nirali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.nirali कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.nirali कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतणीपजपर कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतणीपजपर तथा Ms.nirali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।